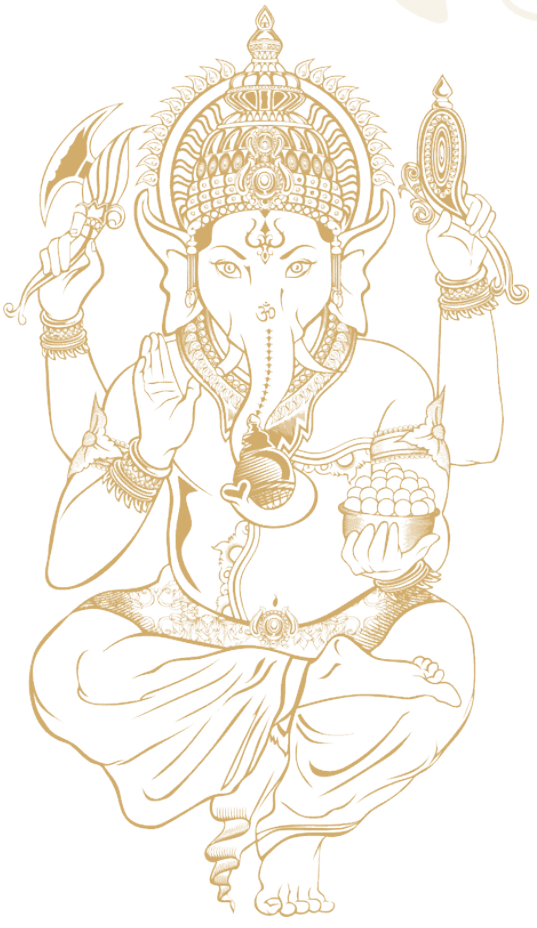

Mayank

Shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121690603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/01/1997	जन्म तिथि	16-17/08/2002
शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 14:52:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 19:01:44	जन्म समय(घटी)	52:21:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Dausa
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:18	सूर्योदय	05:56:29
18:02:11	सूर्यास्त	19:00:50
23:49:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 7मा 11दि	00:22:35	मिथु	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि
सूर्य	11:38:07	मक	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र
07/09/2023	00:44:02	सिंह	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024
07/09/2029	11:18:24	कन्या	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044
सूर्य 26/12/2023	17:08:48	धनु	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र 02/08/2027
चन्द्र 25/06/2024	07:04:02	मक	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य 01/08/2028
मंगल 31/10/2024	25:10:06	धनु	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र 02/04/2030
राहु 25/09/2025	09:11:33	मीन	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल 02/06/2031
गुरु 14/07/2026	06:08:36	कन्या व	राहु	वृष	21:35:15	राहु 02/06/2034
शनि 26/06/2027	06:08:36	मीन व	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु 31/01/2037
बुध 02/05/2028	10:51:28	मक	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि 01/04/2040
केतु 06/09/2028	03:55:51	मक	नेप व	मक	15:17:44	बुध 31/01/2043
शुक्र 07/09/2029	11:16:30	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु 01/04/2044

लग्न-चलित

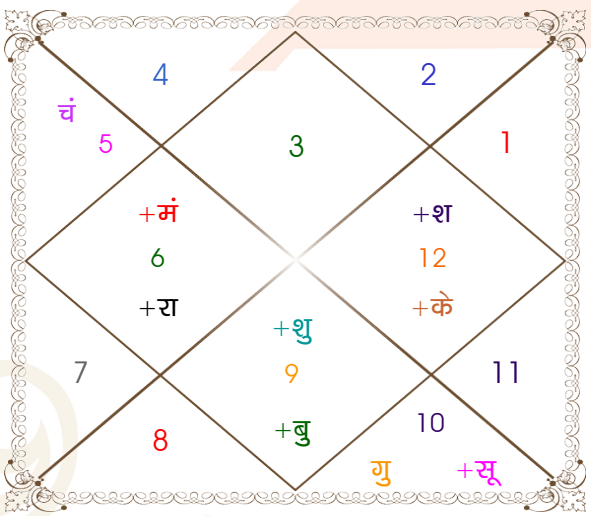

लग्न-चलित

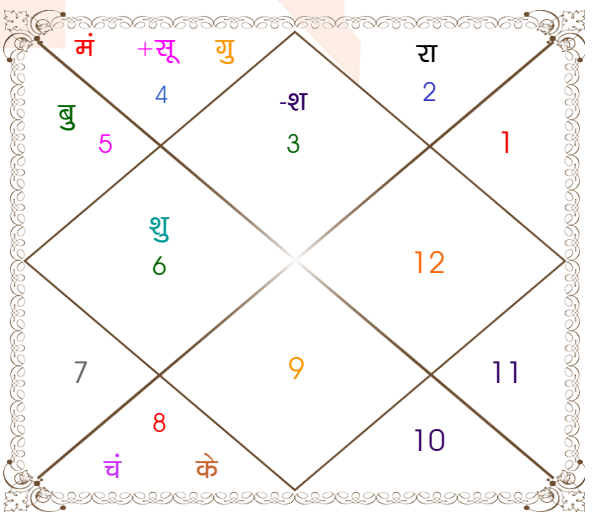

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

डंलंदा का वर्ग मूषक है तथा ौतपेीजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंलंदा और ौतपेीजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डंलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डंलंदा कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौतपेीजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंलंदा तथा ौतपेीजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।